

# পাট ও সমবর্গীয় তন্তু চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, ব্যারাকপুর

৬-১৫ মে, ২০২০ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৬/২০২০)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান  
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

*An ISO 9001: 2015 Certified Institute*

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

[www.crijaf.org.in](http://www.crijaf.org.in)



भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान

ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers



पाट ও सहयोगी फसल उत्पादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श  
७-१५ मे, २०२०

## (I) पाट उत्पादनकारी राज्यগুলिर এই सप्ताहेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्य/ कृषि-जलवायु अखणल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हगली, हाओड़ा, उतुतर २४ परगना, पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुड़ा, बीरभूम	आगामी चार दिन हालका थेके माबारि वृष्टिर (३५ मिलिमिटा र पर्यन्त) सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३२ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिङ, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाईण्डि, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी चार दिन बङ्गविद्युत सह हालका थेके भारी (११२ मिलिमिटा र पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। এই अखणले सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३४ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे। आर मालदा ओ दक्षिण दिनाजपुर जेला र सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३९ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे। हालका थेके भारी वृष्टिर (१०० मिलिमिटा र पर्यन्त) सञ्जावना।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र मरिगाँव, नओगाँव	आगामी चार दिन बङ्गविद्युत सह हालका (१७ मिलिमिटा र मते) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३२ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २०-२२ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र गोयलपाड़ा, धुबड़ि, कोकड़ाबाड़, बङ्गईगाँव, बरपेटा, नलबाड़ि, कामरूप, बाक्सा, चिराङ्ग	आगामी चार दिन बङ्गविद्युत सह माबारि थेके भारी (९५ मिलिमिटा र पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा २९-३३ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अखणल २ (उतुतर-पूर्व अखणल) पूर्णिआ, काटिहार, सहर्ष, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगञ्ज	आगामी चार दिन हालका थेके माबारि (९२ मिलिमिटा र पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३९ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।
उड़िष्याः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी चार दिन बङ्गविद्युत सह हालका थेके भारी (५५ मिलिमिटा र पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३९ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।
उड़िष्याः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अखणल केन्द्रपाड़ा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पुरी, नयागड़, कटक (आंशिक) एवं गङ्गाम (आंशिक)	आगामी चार दिन बङ्गविद्युत सह हालका थेके थेके माबारि (२४ मिलिमिटा र पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३४-३९ डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मते थाकवे।

तथ्य सूत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<http://mausam.imd.gov.in>) एवं [www.weather.com](http://www.weather.com)

## (II) पाट चाषिदर जनु कृषि परामर्श

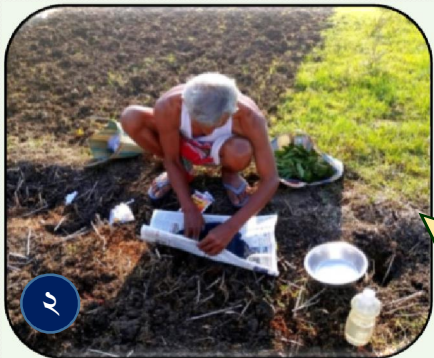
### १। देरीते लागानो पाटः ये सब चाषिदर (विशेष करे विहार ओ उड़ियार) एखनो पाट लागानो हयनि तदर जनु

- तदर एखनि जमि प्रसुततर परामर्श देओया हछे, एवंग प्रथम कालबैशायीर वृष्टि र जल पेलैह अविलम्बे पाट लागान। मावारी उर्वर ओ यथेष्ठ उर्वर जमि र जनु सारर सुपारिश मात्रा हलो - हेक्तर प्रति ७० किलो नाइट्रोजेन, ३० किलो फसफेट ओ ३० किलो पटाश। आर कम उर्वर जमि र जनु एह सुपारिशकृत सारर मात्रा हवे ८० किलो नाइट्रोजेन, ८० किलो फसफेट ओ ८० किलो पटाश। नाइट्रोजेन घटित मोट परिमान सार, २-३ वार समान भावे भाग करे माटिते चापान हिसावे प्रयोग करते हवे। तवे फसफेट ओ पटाश सारर पुरोटाई जमि शेष चाषर समयेह मूल सार हिसावे दिये दिते हवे। ये सब चाषिदर माटि र सान्ध्य कार्ड आछे - तारा सेह कार्डे देओया हिसा अनुसारे सार प्रयोग करते पारैन। यदि माटिते सालफारर अभाव থাকे (२० किलो थेके कम/ प्रति हेक्तेर), तवे हेक्तर प्रति ३० किलो सालफार दिते हवे। चाषिदर आरो परामर्श देओया हछे ये, चेष्टा करते हवे पाट फसलर जनु निर्धारित मोट खादोपादानर २५ शतांश याते खमार सार वा ए धरनर प्राकृतिक जैवसारर माध्यमे प्रयोग करा याय।
- जमि तैरीर शेष पर्याये, १० मिटर दुरे दुरे, २० सें्टिमिटर चउड़ा ओ २० सें्टिमिटर गडीर जल निकाशि नालि तैरी करते हवे, याते हठांग बेशि वृष्टि हले सेह अतिरिक्त जल, विशेषत एंटेल् माटि र जमि थेके सहजेह बेरिये येते पारे।
- जे.आर.ओ-२०८ (सुरेन) जातेर पाट लागान एवंग बीज लागानर कमपक्के ८ (चार) घंटा आगे व्याभिस्तिन (५० शतांश) वा कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति किलोग्राम पाट बीजे भालोभावे मिशिये बीज शोधन करते हवे। यदि जे.आर.ओ-२०८ जातेर बीज ना पाओया याय, तवे ईरा, तरुण, एन.जे-१०१० इत्यादि जातओ लागते पारैन। एह जातओलि अन्न किछुदिनर जनु लागिये, पाट शाक हिसावेओ व्यवहार करा याय। पाट बीज क्रिजाफ बहुसारी पाट बीज वपन यन्त्र दिये सारिते लागते हवे। एह भावे सारि करे लागले प्रति बिघाय ३५०-८०० ग्राम (२.५-३.० किलो/हेक्तेर) पाट बीज लागवे। सारि करे पाट बीज लागानर समय मने राखते हवे - सारि थेके सारि र दुरत हवे २०-२५ सें्टिमिटर एवंग पाट बीज माटि र निचे ३ सें्टिमिटर गडीर यावे।
- यदि पाट बीज वपन यन्त्र एकासुहै ना पाओया याय, एरकम जरूरी अवस्थाय छिटिये पाट वुनते पारैन। सेंक्केरे बिघा प्रति ८०० ग्राम (प्रति हेक्तेर ७ किलोग्राम) पाट बीज लागवे। माटिते जो थाका अवस्थाय (पलिमाटि अण्डले पाट लागानर ८-५ दिन पर, आर एंटेल् माटि अण्डले पाट लागानर १-८ दिन पर) क्रिजाफ नेल उइडार सुपारिश मतो व्यवहार करते हवे, फले पाटेर सारि वा लाइन हये यावे। पाट बीज वोनार ५-८ दिन पर, सेच सेवित आर वृष्टि निर्भर उभय क्केट्रेह, क्रिजाफ नेल उइडार व्यवहारर फले माटि र निचे (०-१५ सें्टिमिटर) अवधि शतकरा ५-७ भाग जल बेशि संरक्षण हय, माटि (०-१० सें्टिमिटर) १-३ डिग्रि बेशि ठांश थाके फले पाटेर चारा ३० दिन पर्यन्त वृष्टि ना हलेओ प्राथमिक खरार अवस्था सह्य करते पारे।
- सेच सेवित चाषर क्केट्रे, पाटेर जमि र आगाछा नियन्त्रणर जनु, पाट बीज लागानर ८८ घंटा परे, जलसेच दिये, प्रेटिलक्कोर (५० ईसि) ३ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये माटिते प्रयोग करबेन। वृष्टि निर्भर चाषर क्केट्रे, बुटाक्कोर (५० ईसि) ८ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये, पाट बीज वोनार ८८ घंटा परे प्रयोग करते हवे।



१

पदक्केप-१ः जमि र प्रसुति चाष एवंग पाटेर जनु जमिते प्राथमिक मूल सार देओया



२

पदक्केप-२ः व्याभिस्तिन ५० डब्लु.पि वा कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे मिशिये लागानर अन्त ८ घंटा आगे बीज शोधन



३ क

पदक्केप-३ कः क्रिजाफ बहुसारी पाट बीज वपन यन्त्र दिये शोधित पाट बीज वपन/ लागानो।



३

पदক্ষেप-३ : वीज बपन यत्न ना থাকले, छिट्टीये शोषित पाट वीज बपन, आर ४-८ दिन परे त्रिजाफ नेल उइडार व्यवहार करते हवे।



३



८

पदक्षेप-४: बेशि वृष्टि अतिरिक्त जल जमी थेके बेर करे देवार जन्य निकाशि नालि नतरी



५

पदक्षेप-५: जलसेच दिये पाट वीज लागानो हले - लागानो ४८ घन्टा परे, प्रेटिलक्लोर (५० ईसि) ३ मिलिलिटांर प्रति लिटांर जले मिशिये माटि ते प्रयोग करबेन।

वृष्टि निर्भर पाट चाषेर फेक्त्रे - बुटाक्लोर (५० ईसि) ४ मिलिलिटांर प्रति लिटांर जले मिशिये, पाट वीज बोनांर ४८ घन्टा परे प्रयोग करते हवे। एक बिघा जमीर जन्य ८० लिटांर जल लागबे।

## २। समय मतो (२५ मार्च-१० अप्रिल) लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयस: ४०-५० दिन)

- यदि नाइट्रोजेन सारेर चापान देओया वाकि थाके, तबे जमि ते रसेर (जलेर) भाव आछे देखे (वा प्रयोजने परे सेच दि ते हवे) नाइट्रोजेन २० किलो/ प्रति हेक्टेरे हिसाबे प्रयोग करते हवे।
- प्राक-वर्षार मरशुमे कालबैशाखीर हठां बेशि वृष्टि हये पाटेर जमी जलमग्न हये ये ते पा रे, ता ते पाटेर वृद्धि ते विरूप प्रभाव पड़े। ता ई ए ई समय, पाटेर जमि ते टाल अनुसारे, १० मिटांर दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटांर चोड़ा ओ २० सेन्टिमिटांर गभीर जल निकाशि नाला वाना ते हवे, या ते बेशि वृष्टि अतिरिक्त जल जमी थेके बेरिये ये ते पा रे।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन वयसे, पातेर डगार बन्ध पातागुलि, वृष्टि परे धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) द्वारा आक्रान्त हय। गाछ वड़ हवार सांथे सांथे, पातार काटा अंशगुलो वड़ ह ते थाके। ए ई पोका धूसर वर्णेर, तार उपर सादा बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लखाटे - ए देर पातार उपर देख ते पाओया यय। क्लोरपाइरिफस (५० ईसि) एवंग साइपारमेथिन् (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटांर वा क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटांर वा कुइन्यालफस (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषि देर विशेषभावे सतर्क ह ते हवे ये - वृष्टि परे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेडे यय - ए ई अवस्थाय शुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण ह ते पा रे। पातार उपर ए ई पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा यय। परे क्रत छड़िये पड़े ओ पातार क्षति करे। ता ई चाषि रा नजर करे देखे, ए ई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोपिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटांर वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- पाटेर वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमि ते माकड़ेर उपद्रव ह ते पा रे। माकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पूरो वा मोटा हये यावे, पातार शिरार माबेर अंश कुंछके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रंगयेर हये यावे। चेष्टा करते हवे या ते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राख ते पारले माकड़ थेके क्षति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे माकड़ेर आक्रमण चल ते थाके, तबे माकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये यय, ताहले कमपक्षे ५-६ दिन अपेक्षा करुन, तार परेओ यदि माकड़ेर लक्षण थाके तबे माकड़नाशक दि ते पारनेन।



समयमते लागानो पाट  
(४०-५० दिन वयस)



वृष्टिर् पारे धुसर पोकार (त्रेधे उइडिल) आक्रमण।

क्लोरपाइरिफस (५० ईसि) एवंग साइपारमेथ्रिन (५ ईसि)  
एर मि००, १.०-१.५ मिलिलिटांर वा क्लोरपाइरिफस (२०  
ईसि) २ मिलिलिटांर वा कुइन्यालफस (२५ ईसि) १.२५  
मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिंये स्प्रे करते हवे।

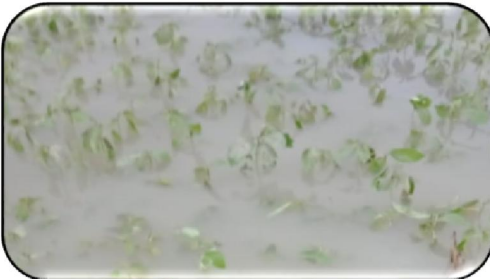


वृष्टिर् पारे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय  
वाष्पेर् परिमान वेडे यय - एइ अवस्थाय शुंयोपोकार  
आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिंये पडे। चाषिरा नजर करे एदेर  
डिम आर शुंककीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे  
फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १  
मिलिलिटांर वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति  
लिटांर जले मिशिंये प्रयोग करते हवे।



क) माकड़ आक्रान्त - लागानोर ३०-३५ दिन पर

ख) जलेर अभाव एडान, माटिंते रस बजाय राखुन।  
फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर वा  
स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर  
वा प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/  
प्रतिलिटांर जले, १० दिन पारे पारे, पर्यायक्रमे  
व्यवहार करते हवे।



जलमग्न हओयार जन्य पाट क्षतिग्रस्त। अतिरिक्त  
जल निकशि करे वेर करते हवे।

शिलावृष्टिर् जन्य पाट  
क्षतिग्रस्त। यदि ५०-६०  
शतांशेर् वेशि क्षति  
हय, ताहले आवार वीज  
लागाते पारेन।  
अन्याथाय, माध्यमिक  
परिचर्यांर माध्यमे जमिंर  
अवस्थार परिवर्तन करते  
हवे।



### ३. एप्रिले १५ तारिखे ३० पर पाट लागाले (पाटे २०-३० दिन)

- आगाछा बेरिजे याबार पर, घास जातीय आगाछा दमने ३० कुइजालोफप इथाइल (५ इ.सि) २.०-२.५ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये पाट बोना २०-२५ दिन परे जमिटे छिटिये दिते पारने। अन्य धरने आगाछा हात निडानि दिजे तुले फेलते हवे।
- यदि आगाछा नियन्त्रण ० चारा पातला करार काज तृतीय सपुहो करा हयनि तवे, क्रिजाफ नेल उइडारे ३ पिछने दिके चाछनि वा स्फुपा ३ लागिये वा पाटे ३ एक चाका निडानि यन्त्र, दुइ सारि पाटे ३ मावखान दिजे चालाते हवे, एते सब आगाछा नियन्त्रण हवे। चारा पातला करार काज सेरे फेलुन याते प्रति वर्ग मिटर जमिटे ५०-५५ टि पाट गाछ बजाय थाके।
- पाट लागानो २० दिन पर, हालका सेचेर सडे, मावारी उर्वर ० यथेष्ठ उर्वर जमि ३ नहिट्रोजेन सार २० किलो/ प्रति हेक्टेर जमि ३ जमि ३ चापान सार हिसाबे दिते हवे। आर कम उर्वर जमि ३ जमि ३ २९ किलो/ प्रति हेक्टेर हिसाबे नहिट्रोजेन दिते हवे।
- प्राक-वर्षार मरुमे कालबैशाखीर हठां ३ वेशि वृष्टि हजे पाटे ३ जमि ३ जलमग्न हजे येते पारे, ताते पाटे ३ वृद्धि ३ विरुप प्रभाव पडे। तहि एहि समय, पाटे ३ जमिटे टाल अनुसारे, १० मिटर दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटर चोडा ० २० सेन्टिमिटर गतीर जल निकाशि नाला वानाते हवे, याते वेशि वृष्टि ३ अतिरिक्त जल जमि ३ थेके बेरिये येते पारे।
- पाटे ३ वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमिटे मकडे ३ उपद्रव हते पारे। मकडे ३ आक्रमण ३ प्रधान लक्षण हलो- पाता पुरो वा मोटा हजे याबे, पातार शिरार मावे ३ अंश कुंचके याबे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रणये ३ हजे याबे। चेष्टा करते हवे याते जमिटे जले ३ (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जे अवस्था राखते पारले मकड थेके क्षति कम हय। यदि १० दिने ३ वेशि समय धरे मकडे ३ आक्रमण चलते थाके, तवे मकडनाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ इ.सि) १.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले वा स्प्राइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले वा प्रोपारगाइट (५९ इ.सि) २.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हजे यय, तहले कमपक्षे ५-६ दिन अपेक्षा करन, तार परे ० यदि मकडे ३ लक्षण थाके तवे मकडनाशक दिते पारने।
- इन्डिगो क्यारिपिलार पोकार आक्रमण विषये चायि ३ सतर्क थाकवेन। यदि आक्रमण चलते थाके, तवे क्लोरपाइरिफस (२० इ.सि) २ मिलिलिटर / प्रति लिटर जले मिशिये विकाले दिके प्रयोग करते हवे।



३०-३५ दिन वयसे ३ पाट क) छिटिये बोना, ख) सारि करे लागानो



क) मकड आक्रमण- लागानो ३ ३०-३५ दिन पर  
ख) जले ३ अभाव एडान, माटि ३ रस बजाय राखुन। फेनपाइरिक्लिमेट (५ इ.सि) १.५ मिलिलिटर वा स्प्राइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटर वा प्रोपारगाइट (५९ इ.सि) २.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे।

इन्डिगो क्यारिपिलार पोकार आक्रमण कम करते, पाट लागानो ३ १५ दिन परे, क्लोरपाइरिफस (२० इ.सि) २ मिलिलिटर / प्रति लिटर जले मिशिये विकाले दिके प्रयोग करते हवे। आक्रमण थाकले, १० दिन परे परे, आबार स्प्रे करा याबे।

शुकनो माटिर अवस्थाय, छत्राक-घटित गोड़ा-कांड संयोगश्चल पचा रोग। यदि रोग शतकरा ५ भागेर बेशि छडिये पड़े, कपार अक्लिक्लोराइड ०.५ शतांशेर् द्रवण प्रयोग करुन।



अति वृष्टिर् अतिरिक्तु जल जमिर् उपरेर् निकाशि नाला दिये यत द्रुत संभव वेर करे दिते हवे।



#### ४। २० एप्रिलेर् परे लागानो पाट (फसलेर् वयसः १५-२५ दिन)

- पाट लागानोर् १५-२० दिन पर, क्रिज्जफ नेल उईडारेर् पिछनेर् दिक्के टाँहनि वा स्फ़ापार लागिये वा पाटेर् एक चाका निडानि यन्त्र, दिये उतपन्न हउया सब आगाछा नियन्त्रण करते हवे। तवे क्रमागत वृष्टि हते থাকले, नेल उईडार चालिये आगाछा दमन संभव हवे ना। एई रकम अवस्थाय, घास जातीय आगाछा दमनेर् जन्य कुईजालोफ़्प इथाईल (५ ई.सि) १.५-२.० मिलिलिटांर प्रति लिटांर जले मिशिये छिटिये दिते पारेन। तार परे (घास जातीय छाड़ा) अन्य धरनेर् आगाछा हात निडानि दिये तुले फेलते हवे।
- यत द्रुत संभव, जमिर् अतिरिक्तु जल वेर करे दिते हवे। ताई एई समय, पाटेर् जमिंते चाल अनुसारे, १० मिटांर दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटांर चउड़ा ७ २० सेन्टिमिटांर गभीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टिर् अतिरिक्तु जल जमिं थेके बेरिये येते पारे।
- आगाछा दमनेर् चूड़ांतु पर्याय ७ चारा पातला करा हये गेले, पाट लागानोर् २० दिन परे, चापान सार हिसार हिसावे, २० किलो नाइट्रोजेन/ प्रति हेक्टेरे प्रयोग करते हवे।
- इन्डिगो क्यार्टारपिलार पोकार आक्रमण विषये चाशिरा सतर्क थाकबेन। यदि आक्रमण चलते थाके, तवे क्लोरपाईरिफ़स (२० ईसि) २ मिलिलिटांर /प्रति लिटांर जले मिशिये बिकालेर् दिक्के प्रयोग करते हवे।
- जमिं बेशि शुकनो अवस्थाय थाकले, गोड़ा-कांड संयोगश्चल पचा रोग देखा दिते पारे। यदि शतकरा ५ भागेर् बेशि प्रकोप देखा याय, ताहले जमिंते सेच दिन एवंग परे कपार अक्लिक्लोराइड (ब्लूइटक्ल ५० डब्लू.पि) ०.५ शतांश द्रवण प्रयोग करते हवे। तवे बेशि वृष्टि हउयार अवस्थाय, चारार धसा रोग नियन्त्रणे प्रथमे अतिरिक्तु जल वेर करे दिन, तार परे कपार अक्लिक्लोराइड (ब्लूइटक्ल ५० डब्लू.पि) ०.५ शतांश द्रवण वा म्यानाकोजेब ०.२ शतांश द्रवण प्रयोग करुन।



पाट लागानोर् २०-२१ दिन पर, क्रिज्जफ नेल उईडारे स्फ़ापार लागिये व्यवहार करुन



पाट लागानोर् २०-२१ दिन पर, एकचाका पाट निडानि यन्त्र (सिंजल हईल जुट उईडार) व्यवहार करुन



इन्डिगो क्युटारपिलार पोकार आक्रमण नियन्त्रण करते क्लोरपाइरिफस (२० इसि) २ मिलिलिटर / प्रति लिटर जले मिश्रिते विकाले दिके प्रयोग करते हवे। समस्या थेके गेले, ८-१० दिन पर पर आवार स्प्रे करते हवे।



शुकनो माटिर अवस्थाय, छत्रक-यटित गोड़ा-कांड संयोगसुल पचा रोग हय। यदि रोगे शतकरा ५ भागेर बेशि छुडिये पडे, कपार अक्लिक्लोराइड ०.५ शतांशे र द्रवण प्रयोग करुन।

अति वृष्टि अतिरिक्त जल जमिर उपरेर निकाशि नाला दिये यत द्रुत संभव बेर करे दिते हवे।



### ५। २५-३० एप्रिले पर पाट लागानो हले (फसलेर वयसः १०-१५ दिन)

- आगाछा बेरिये यावार पर, घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुइजालोफप इथाइल (५ इसि) १.५-२.० मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिश्रिते पाट वोनार १५-२० दिन परे जमिटे छुटिये दिते पारेन। अन्य धरनेर आगाछा हात निडानि दिये तुले फेलते हवे।
- अबिलखे पाटेर जमि थेके अतिरिक्त जल बेर करे देवार जन्य, जमिटे ताल अनुसार, १० मिटर दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटर चउड़ा ओ २० सेन्टिमिटर गतीर जल निकाशि नाला वानाते हवे।
- जमि बेशि शुकनो अवस्थाय थाकले, गोड़ा-कांड संयोगसुल पचा रोगे देखा दिते पारे। यदि शतकरा ५ भागेर बेशि प्रकोप देखा यय, ताहले जमिटे सेच दिन एवं परे कपार अक्लिक्लोराइड (क्लोराइड ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांशे द्रवण प्रयोग करते हवे। तवे बेशि वृष्टि हओयार अवस्थाय, चारार धसा रोगे नियन्त्रणे प्रथमे अतिरिक्त जल बेर करे दिन, तार परे कपार अक्लिक्लोराइड (क्लोराइड ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांशे द्रवण वा म्यानकोजेव ०.२ शतांशे द्रवण प्रयोग करुन।



यत द्रुत संभव, अति वृष्टि जमा जल जमिर उपरेर निकाशि नाला दिये बेर करे दिते हवे।



यदि संभव हय, पाट लागानोर १० दिन पर, सब धरनेर आगाछा दमनेर जन्य क्रिजाफ नेल उइडार व्यवहार करुन, अथवा कुइजालोफप इथाइल १ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिश्रिते स्प्रे करुन।



### III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलेंर जन्य कृषि परामर्श

#### क) सिसाल

- ये सब बुलबिल स्वास्थुवान, गोडार दिक्टा स्फीत (फोला मतो), गाटु सबुज रण्येर एवं घन पातायुक्त - सेगुलि संग्रह करे प्राथमिक नार्सारिते १० सेन्टिमिटा/ १ सेन्टिमिटा दूरत्वे लागाते हवे।
- माध्यमिक नार्सारिते यथा समये आगाछा दमन ओ सेचेर व्यवस्था करते हवे, याते स्वास्थुवान रोपन सामग्री पाओया याय।
- एक-दुई बहर वयसेर सिसाल वागिचाय १० टन सिसाल-वर्ज वा ५ टन धानेर खड/ प्रति हेक्टेरे वा स्थानीय भावे पाओया एई धरनेर किछु दिजे आच्छादन (मालच) करते हवे। फले माटिर जल धारण क्षमता वाडवे, भूमिष्क्य रोध हवे एवं सिसाल पाता काटार जन्य तिन बहर पर्यन्त अपेष्कार समयकाल, ७ मास मतो कम करा यावे।
- सिसाल पाता काटार पर - जेव्रा रोग, पाताय दाग, गुडि पचा एवं अन्तर्वती फसलेर रोगेर प्रकोप कम करार जन्य, रोदुमिश्रण (४४४४० एर ५०० लिटा/ प्रति हेक्टेरे) प्रयोग करते हवे।
- पाता थेके तन्त्र बेर करार परेर वर्ज पदार्थ थेके सिसाल कम्पोस्ट तैरी करा यावे। कारण एते शतकरा १.५ भाग नाईट्रोजेन, ०.२० भाग फसफेट, १.८ भाग पटाश, २.१ भाग क्यालशियाम एवं १.० भाग म्यागनेशियाम थाके - या प्रति हेक्टेरे २० टन हिसावे प्रयोगे सिसालेर फलन वाडाय।
- सिसालेर सङ्गे दुई सारिर मारुखाने लागानो सुगन्धि घास - येमन, लेमन घास, पालमोरोजा, भेटीभार, सिट्रोनेला इत्यादिर परिचर्या करते हवे। एई सुगन्धि घासगुलि माटिर उपर दिजे जल वये चले वाओया कमिये - जल धारण क्षमता वाडाय, भूमिष्क्य रोध करे एवं चाषिर आय वाडाय।



प्राथमिक नार्सारिते  
लागानेर जन्य भालो  
गुनमानेर बुलबिल संग्रह

माध्यमिक नार्सारिते अन्तर्वती परिचर्या



१-२ बहरेर सिसालेर  
जमिटे सिसाल वर्जेर  
आच्छादन (मालच)

१-२ बहरेर सिसालेर जमिटे  
धानेर खडेर आच्छादन (मालच)



सिसालेर सङ्गे आमेर  
अन्तर्वती फसल

सिसालेर सङ्गे लेमन घासेर  
अन्तर्वती फसल



## ख) रेमि



- यारा एखेनो रेमि लागान नि, तारा अबिलश्चे आर-१४११ (हाजारिका) जातेर राईजोम वा शिकड-सह चारा लागान ।
- ४-५ सेन्टिमिटांर गभीर करे नालि करे तार मध्ये ७०-९५ सेन्टिमिटांर दूरे दूरे १०-१५ सेन्टिमिटांर लम्बा रेमि राईजोम लागाते हवे । एकई सारिंर मध्ये राईजोम थेके राईजोमेर दूरत्व हवे ३० सेन्टिमिटांर ।
- यादेर मार्चेर प्रथम पक्षेर आगेई रेमि राईजोम लागानो हयेछे, तारा २०१०११० किलो नाईट्रोजेन, पटाश, फसफेट प्रति हेक्टेरे दिते पारेन ।
- सूसम सार प्रयोगेर माध्यमे, माटिंर स्वास्थ्य ভালो राखा ओ ভালो फलन पेते, रासायनिक सारेर सङ्गे खामार सार वा रेमि कम्पोस्ट सूसंहत पद्धतिते व्यवहार करते पारेन ।
- रेमि लागानोर परे ओ प्रति बार रेमिंर काटिं करार परे कुईजालोफप इथाईल (५ ईसि) ४० ग्राम ए.आई प्रति हेक्टेरे प्रयोग करे घास जातींर आगाछा दमन करा याय ।
- पुरनो रेमिंर जमिंते, सब गाछ समान भावे बेडे ओठार जन्य एई समये एक सङ्गे केटे दिते हवे (स्टेज ब्याक) ।
- आसामेर जन्य आवहाओयार पुर्वभास अनुसार, माव्गारि थेके भारी वृष्टिंर सम्भावना आछे । रेमि जल जमा एकदमई सह्य करते पारे ना । तई बेशि वर्षा आगेई जमिंते जल निकाशि नाला वानाते हवे ।



भालोभावे चाष दिये प्रसुत जमिंते, नालि/परिखा पद्धतिते रेमि लागानो

लागानोर जन्य रेमिंर गेँड (राईजोम) तोला



एकई रकम कांड संख्या ओ समान वृद्धिंर जन्य प्राक-खरिफ मरुंमे असमान कांड केटे फेला (स्टेजब्याक)

## ग) शणपाट (सानहेम्प)



### १. ये सब चाषिदेर एखनो शणपाट लागानो हयनि

- उक्तर प्रदेशेर शणपाट लागानोर अध्दलेर आगामी सपुाहेर सर्वोच्च तापमात्रा ७८-८० डिग्रि एवं सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थकवे। सामान्य वृष्टिेर सभावना।
- चाषिदेर जमि चाष दिये प्रसुत करे प्राक-वर्षार वृष्टिेर जल काजे लागिये- शणपाट लागानोर परामर्श देओया हच्चे। केवलमात्र उच्च फलनशील जातगुलि येमन - प्राक्कुर (एस.आर.जे-७१०), अक्कुर (एस.उ.आई.एन ०३९), शैलेश (एस.ए.ई.८-४), स्वस्तिक (एस.उ.आई.एन ०५३), एवं के-१२ (ब्ल्याक) शंसित बीज लागते हवे।
- कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे व्यवहार करे लागानोर आगे बीज शोधन करते हवे, एर फले बीज बाहित रोग थके शणपाट बाँचानो याय।
- लाइन वा सारि करे बीज लगाते हवे। सारि थके सारिेर दूरत्व हवे २० सेन्टिमिटर, आर सारिेर मध्ये गाछ थके गाछेर दूरत्व हवे ५-९ सेन्टिमिटर। सारि करे लागाले हेक्टेर प्रति २५ किलो आर छिटिये लागाले ३५ किलो बीज लागवे।
- प्राथमिक मूल सार हिसाबे प्रति हेक्टेर २०:४०-५०:४० किलो नाइट्रोजेन, फसफेट, पटाश (वा इडरिया २० किलो, सुपार फसफेट ३१२ किलो, मिडरियेट अफ पटाश ७९ किलो) माटिेर सङ्गे ভালोभावे मिशिये जमिटे दिते हवे।

### २। से सब चाषिआ एप्रिलेर माबामाबि शणपाट लागिये फेलेछेन (फसलेर वयसः २०-२५ दिन)

- यदि एर मध्ये वृष्टि ना हये थके बेङ माटिटे जलेर अभाव हय, तवे हालका सेचेर परामर्श देओया हच्चे। सेचेर पर, २५ दिन गाछेर वयसे, एक बार हात निडानि दिते हवे - एते आगाछा दमन हवे, गाछेर वृद्धि हवे ओ एसमये प्रति वर्ग मिटारे ५५-६० टि चारा राखते हवे।
- यदि शुक्रनो परिस्थिति चलते थके, ताहलेर माछिेर मतो फ्लि बिटल पोकार आक्रमण हते पावे। एरा पाता खेये फुटो फुटो करे देय। चाषिदेर शुंयोपोकार आक्रमणेर व्यापारे ओ सतर्क करा हच्चे। यदि बेशि आक्रमण हय, ताहले क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटर वा निमतेल ३-४ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।

### ३। से सब चाषिआ २० एप्रिलेर परे शणपाट लागियेछेन (फसलेर वयसः १५-२० दिन)

- शणपाट लागानोर परे यदि खरार मतो परिस्थिति हय, ताहले पाता शोषक पोकार आक्रमण हते पावे। तई एकबार हालका सेच दिते हवे।
- सेच देवार पर, चाँहनि देओया निडानि वा अन्य निडानि दिये १५-२० दिन वयसे, शणपाटेर दुई सारिेर माबखानेर आगाछा नियन्त्रण करते हवे, अतिरिक्त चारा तुले पातला करे दिते हवे याते सठिक/ अनुकूल चरार संख्या जमिटे थके (प्रति वर्ग मिटारे ५५-६० टि)।
- कांठे बेष्टनी वा रिंग करा पोकार (स्टेम गार्डलर) वा शुंयोपोकार आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क थकते हवे। यदि एई पोकार आक्रमण हय, तवे क्लोरपाइरिफस (२० एसि) २ मिलिलिटर प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

### ४। से सब चाषिआ एप्रिलेर शेष सपुाहे शणपाट लागियेछेन (फसलेर वयसः १०-१५ दिन)

- सेच नालि ओ निकाशि नाला बानाते हवे।
- लागानोर १५ दिन परे, चाँहनि (स्क्र्यापार) देओया निडानि दिये आगाछा नियन्त्रण करते हवे, सङ्गे माटिटे मालचेर काजओ हवे।
- कांठे बेष्टनी वा रिंग करा पोकार (स्टेम गार्डलर) आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क थकते हवे। यदि एई पोकार आक्रमण हय, तवे क्लोरपाइरिफस (२० एसि) २ मिलिलिटर प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

१) ये चाषिदेर एखनो शणपाट लागानो हयनि



शणपाट बीज  
(क) के-१२ हलुद  
(ख) शैलेश (एस.एच ४)



(क) कार्बेडाजिम वा कार्वडाजिम १२ शतांश ७  
म्यानकोजेव ७३ शतांश २ ग्राम /प्रति  
किलो बीजे (शोधन)  
(ख) जमि प्रसुति ७ लागानो



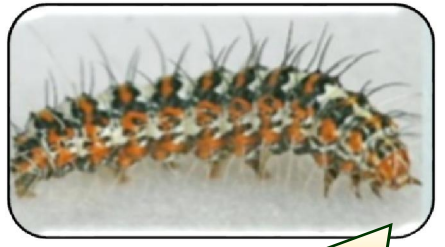
२) एप्रिल मासेर मारामावि लागानो शनपाट (फसलेर वयसः २०-२५ दिन)



२०-२५ दिने फसलेर वृद्धि



फि विटलेर आक्रमण; इमिडाक्लोरपिड (१९.७ एसएल) ३  
मिलि/१० लिटार जले वा प्रफेनोफस (५० इसि) २ मिलि/  
प्रति लिटार जले दिये प्रयोग करते हवे।



शणपाटेर शुंयोपोका

३) यारा २० एप्रिलेर परे शणपाट लागियेछेन (फसलेर वयसः १५-२० दिन)



आगाछा दमन ७ चारा पातला करा



दीर्घ दिन चला खरा अबस्थाय पाता शोषक  
पोकार आक्रमण



क्लोरपाइरिफस (२० इसि) २ मिलि/प्रति  
लिटार जले दिये रक्षकारी हिसाबे प्रयोग

४) यारा २५ एप्रिलेर  
परे शणपाट  
लागियेछेन (फसलेर  
वयसः १०-१५ दिन)



सेचेर जन्य ७ जल निकाशिर जन्य नाला वानानो।  
लागानोर १५ दिन परे आगाछा दमन ७ माटिते  
माल् देवार जन्य चाँछन निडानिर (फुनपार)  
प्रयोग।

## V. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संक्रमण छुड़िये पड़ा ठेकाते ये ये निरापत्तामूलक ओ प्रतिरोध व्यवस्था ग्रहन करते हवे एवं मेने चलते हवे



- १। कृषकदेर चाषवासैर काजेर समय निरापत्ता व्यवस्था हिसावे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दूरत्व बजाय राखते हवे। चाषिरा जमि चाष, बीज वपन, आगाछा नियन्त्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखोस (मास्क) परबेन, आर मावे मावे सावान-जल दिये हात देबेन।
- २। येखाने संभव, हात दिये बीज बोनार परिवर्ते, त्रिज्याफे पाट बीज वपन यन्त्रेर व्यवहार करते हवे। एकटाना अनेकटा जमिते एकदिने अनेक कृषि कर्मचारि दिये बीज ना लागिये, किछु दिन वा समयेर व्यवान रेखे कम संख्यक जनमजुर दिये बीज वपन करते हवे।
- ३। यखन एकई कृषि यन्त्रपाति येमन - लाङ्गल, ट्राक्टर, पाओयार टिलार, बीज वपन यन्त्र, निडानि यन्त्र, जलसेचेर पास्प अनेके मिले पर पर भागाभागि करे व्यवहार करबेन, तखन खेयाल राखते हवे ई यन्त्रपातिगुलि येन सठिकभावे परिष्कार करा हय। कृषि यन्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हवे।
- ४। चाषेर काजेर फाँके अवसरेर समय, खावार खाओयार समय, बीज शोनेर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दूरत्व (कम पक्षे ३-४ फुट) बजाय राखते हवे।
- ५। यतोटा संभव, कृषि काजे परिचित लोकेदेरई काजे लागान। ভালोभावे खोज खबर नियेई सेई मजुर काजे लागते हवे, याते कोनो कोरोना भाईरस वाहक कृषिकाजे आपनार अण्ठले चले आसते ना पावे।
- ६। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये ভালोभावे हात धुये नेबेन। बाजारे बीज, सार इत्यादि किनते यावार समय अवश्यई मुखोस (मास्क) परबेन।
- ७। कोभिड-१९ भाईरस रोग संक्रांत जरगि री स्वास्थ्य परिसेवा विषये तथ्य जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामेर एप्लिकेशन सफ्टवेयर व्यवहार करुन।

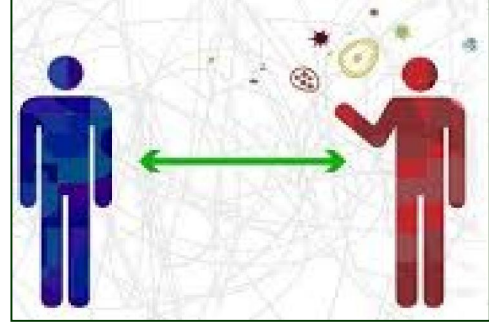


**Aarogya Setu**

सुवर्धित | हम सुवर्धित | भारत सुवर्धित



## VI. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिजे छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शि करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरा माबे माबे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरा धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरा रोगेर आक्रमेन ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाभस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर यायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये परामर्श मतो सामाजिक दूरत वजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर मेशिनेर अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादेर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाइज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडाओ मेशिनेर ओई जायगाओलो वार वार सावान जल दिजे परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड़ कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादेर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरा टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड़ करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फूट दूरत वजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिर एई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तबे तिनि अबिलम्बे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सङ्गे योगायोग करबेन।

आपनारा सबाई सुस्थ्य ओ निरापद थाकुन, एई कामना करि

ड. गौराङ्ग कर

निर्देशक

आई.सि.ए.आर-क्रिजाफ,

नीलगण्ज, ब्यारकपुर,

कोलकाता-१००१२०, पश्चिमवङ्ग

द्वारा संकलित ओ प्रकाशित

**Acknowledgement:** The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory (Issue No: 06/2020)